उ० प्र० राजर्षि टण्डन पुरातन छात्र परिषद के तत्वाधान में दिनांक 26 मई, 2023 को सम्पन्न प्रतिभा सम्मान की आख्या

आयोजन कर्ताः– उ० प्र० राजर्षि टण्डन पुरातन छात्र परिषद
आयोजन दिन एवं दिनांकः– शनिवार, 26 मई, 2023
कार्यक्रम की अध्यक्षताः– मा० कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह
कार्यक्रम का नामः– प्रतिभा सम्मान
सम्मानित किये जाने वाले का नामः–

सुश्री श्रेया सिंह
भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) में 639 रैंक प्राप्त कर चयनित।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के एम ए समाजशास्त्र कार्यक्रम की उत्तीर्ण छात्रा सुश्री श्रेया सिंह के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) में चयनित होने पर सुश्री सिंह को सम्मानित किए जाने हेतु आज दिनांक 26 मई 2023 को अपराहन 3:30 बजे विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र परिषद के तत्वाधान में एक सम्मान समारोह का आयोजन लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में यूपीएससी में 639 रैंक प्राप्त कर सिविल सेवा में चयनित सुश्री श्रेया सिंह, उनकी मां श्रीमती पंकजा सिंह जो कि एक हिंदी विषय की अध्यापिका है तथा पिता श्री शैलेंद्र सिंह जी भी जो कि एक किसान हैं इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सुश्री श्रेया सिंह की माता जी श्रीमती पंकजा सिंह ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों की सफलता में माता–पिता का महत्वपूर्ण योगदान होता है। जिस तरह बच्चे अपने परीक्षाफल के लिए रात भर जागकर इंतजार करते हैं उससे कहीं ज्यादा माता पिता रात भर जागकर अपने बच्चों की चिन्ता एवं उनके परीक्षा फल का इंतजार करते हैं और वह सबसे बड़ी सुख की घड़ी होती है जब उनके बच्चे देश की सर्वोच्च परीक्षा (आई.ए.एस.) में चयनित होकर परिवार का एवं माता–पिता का मान सम्मान बढ़ाते हैं। ठीक उसी प्रकार से मेरी पुत्री सुश्री श्रेया सिंह ने आईएएस में चयनित होकर हम सब का मान–सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस विषय को लेकर सुश्री श्रेया सिंह ने यूपीएससी की परीक्षा में सफलता प्राप्त किया वह उसी विषय से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा के समाजशास्त्र विषय से परास्नातक की डिग्री प्राप्त कर चुकी हैं। समाजशास्त्र विषय ने ही इस परीक्षा में सफलता दिलाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है।

अपना विचार व्यक्त करते हुए सुश्री श्रेया सिंह ने कहा कि इस विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र विषय में परास्नातक करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है और उन्होंने बताया कि किस तरह से उन्होंने अपना उद्देश्य प्राप्त करने के लिए कोविड काल में समाजशास्त्र विषय से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय से सफलतापूर्वक परास्नातक की डिग्री प्राप्त किया। उनका कहना था कि यह विषय मेरे लिए महत्वपूर्ण तो था ही साथ ही इस विषय में डिग्री लेना भी मेरे लिए महत्वपूर्ण हो गया और इस विषय को मैंने उक्त परीक्षा में मुख्य विषय के रूप में चयनित करके यह सफलता प्राप्त किया है। उन्होंने इसके लिए विश्वविद्यालय को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने कहा कि निश्चित रूप से सुश्री श्रेया सिंह का सफल होना माता पिता के लिए गौरव की बात तो है ही हमारे विश्वविद्यालय के लिए भी गौरव का क्षण है। विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षार्थियों के लिए भी यह सफलता प्रेरणा स्रोत होगा। उन्होंने कहा कि सबसे अच्छी बात यह है कि एक माँ ही अपने बच्चे की अच्छी परवरिश

कर सकती है और यदि मां एक शिक्षक है तो वह और भी अच्छी तरह से अपने बच्चों की परवरिश कर सकती है जिसका जीता जागता उदाहरण सुश्री श्रेया सिंह की सफलता है। सुश्री श्रेया सिंह का देश के सर्वोच्च परीक्षा में सफल होना इस बात का प्रमाण है कि माता पिता अथक परिश्रम करते हुए अपने बच्चों की परवरिश एवं उनको दिशानिर्देश देते रहते हैं। उन्होंने कहा कि श्रेया सिंह ने इस विश्वविद्यालय का भी मान बढ़ाया है।

इस कार्यक्रम में सभी विद्या शाखाओं के निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा के आचार्य प्रोफेसर पी. के. पांडेय, आचार्य प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, सह आचार्य गिरीश कुमार द्विवेदी एवं दिनेश सिंह तथा सहायक आचार्य डॉ० सुरेंद्र कुमार एवं समस्त विद्या शाखाओं के आचार्य, सह आचार्य तथा सहायक आचार्य गण उपस्थित रहे।

उक्त पुरातन छात्र सम्मान में विश्वविद्यालय परिवार के लगभग 60 लोगों ने प्रतिभाग किया। मंचासीन मुख्य अतिथि, मा० कुलपति महोदया एवं कुलसचिव का पुष्प गुच्छ प्रदान कर पुरातन छात्र परिषद के समस्त पदाधिकारियों यथा डॉ० ज्ञान प्रकाश यादव (अध्यक्ष), डॉ० मीरा पाल (उपाध्यक्ष), डॉ० सतीश चन्द जैसल (कोषाध्यक्ष), डॉ० सुरेन्द्र कुमार (सचिव), डॉ० नीता मिश्रा (सदस्य) आदि ने स्वागत एवं अभिनन्दन किया। सभागार में उपस्थित समस्त अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार सिंह जी ने किया। कार्यक्रम का संचालन पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ० ज्ञान प्रकाश यादव द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मा० कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी द्वारा सुश्री श्रेया सिंह को उनके भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) में 639 रैंक प्राप्त कर चयनित होने के उपलक्ष्य में अंगवस्त्रम एवं समृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही सुश्री श्रेया सिंह की माता श्रीमती पंकजा सिंह एवं पिता श्री शैलेंद्र सिंह को भी मा० कुलपति जी ने अंगवस्त्रम तथा समृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

(डॉ० सुरेन्द्र कुमार)
सचिव
उ० प्र० राजर्षि टण्डन पुरातन छात्र कल्याण परिषद

प्रतिभा सम्मान–समारोह 26 मई, 2023